क्रिसिल रेटिंग - जोखिम पर सबसे विश्वसनीय राय

रेटिंग मूलाधार ________________________________ क्रिसिल रेटिंग

28 दिसम्बर, 2010
मुंबई

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

रु. 30 बिलियन दीर्घावधि ऋण कार्यक्रम	एएए/ स्थिर (पुन: पुष्टि किया हुआ)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) के दीर्घावधि ऋण कार्यक्रम के संबंध में क्रिसिल द्वारा किया गया मूल्यांकन (रेटिंग) लगातार भाविप्रा के मजबूत वित्तीय जोखिम प्रोफाइल तथा इसकी प्रबल बाजार स्थिति को दर्शा रहा है । इस मूल्यांकन (रेटिंग) की भारत सरकार के लिए भाविप्रा के रणनीतिक महत्व में भी भूमिका है । भाविप्रा द्वारा नियंत्रित हवाई अड्डों में से लाभप्रद हवाई अड्डों की संख्या सीमित होने के कारण भाविप्रा को राजस्व इकट्ठा करने में जिस जोखिम का सामना करना पडता है उससे इन मूल्यांकनों (रेटिंगों) की शक्तियाँ आंशिक रुप से निष्प्रभावी हो जाती हैं ।

भाविप्रा की वित्तीय जोखिम प्रोफाइल मजबूत नकदी उपार्जन तथा एक अच्छी पूंजीगत संरचना से प्रभावित है । 2009-10 में (वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक वित्तीय वर्ष का अभिप्राय है) भाविप्रा ने प्रचालन आय और नकदी उपार्जन में अच्छी वृद्धि दर्ज की । अच्छी आर्थिक वृद्धि एवं खर्च करने हेतु बढती हुई आय की वजह से यात्रियों की संख्या में जबर्दस्त वृद्धि होने के कारण ऐसा संभव हुआ । भाविप्रा के सबसे अधिक लाभप्रद हवाई अड्डों दिल्ली एवं मुंबई के निजीकरण (2006 में) का बुरा प्रभाव, इन हवाई अड्डों को पट्टे पर देने से प्राप्त हुए राजस्व के हिस्से, उन हवाई अड्डों से लगातार प्राप्त होने वाली हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) आय तथा सामान्य रुप से यात्रियों की संख्या में होने वाली जबर्दस्त वृद्धि की वजह से बिलकुल प्रभावहीन हो गया । प्राधिकरण का गैर-एटीसी राजस्व जो कि भाविप्रा के बंगलूरु एवं हैदराबाद हवाई अड्डों के बंद होने की वजह से 2008-09 में बुरी तरह से प्रभावित हुआ था वह दूसरे हवाई अड्डों पर यात्रियों

की संख्या में जबर्दस्त वृद्धि होने की वजह से वर्ष 2009-10 में बढ गया । क्रिसिल को उम्मीद है कि मध्यावधि के बाद भी यात्रियों की संख्या में वृद्धि जारी रहेगी, इससे भाविप्रा के राजस्व में भारी वृद्धि होगी तथा हाल ही में हुए वेतन संशोधन के परिणास्वरुप कर्मचारी लागत में हुई वृद्धि के कारण लाभप्रदता पर पडने वाले प्रभाव का भी अंत हो जाएगा ।

ग्याहरवीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2007-12) के लिए, हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण तथा हवाई यातायात प्रबंधन पर भाविप्रा का पूंजीगत व्यय रु0 130 बिलियन के करीब होने की उम्मीद है जिसमें से रु. 64 बिलियन 2009-10 तक खर्च किए जा चुके हैं । अभी तक पूंजीगत व्यय के फण्ड की व्यवस्था मुख्य रुप से आंतरिक उपार्जनों एवं संचित नकद शेषों के माध्यम से की गई है । इसके परिणामस्वरुप 31 मार्च 2010 को प्राधिकरण के पास वित्तीय संसाधन कम होकर मात्र 0.09 गुना रह गए है । यद्यपि आज की तारीख में भाविप्रा पर ऋण की मात्रा कम है । क्रिसिल को विश्वास है कि प्राधिकरण को अपने पूंजीगत व्यय कार्यक्रम के लिए आंशिक रुप से फंड की व्यवस्था करने के लिए अपने ऋण की मात्रा को बढाने की आवश्यकता होगी । फिर भी भाविप्रा के पूंजीगत ढांचे तथा ऋण सुरक्षा उपायों के मध्यावधि के बाद भी अच्छा बने रहने की उम्मीद है ।

देश के 126 प्रचालनात्मक हवाई अड्डों में से 115 से ज्यादा हवाई अड्डों पर नियंत्रण के साथ भारत में हवाई अड्डा प्रबंधन के क्षेत्र में भाविप्रा की स्थिति अत्यंत प्रभावशाली है । क्रिसिल को विश्वास है कि मुंबई एवं दिल्ली के प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों के निजीकरण तथा बंगलुरु एवं हैदराबाद हवाई अड्डों पर ग्रीन फील्ड हवाई अड्डों की शुरुआत के होते हुए भी प्राधिकरण भारत में हवाई अड्डा प्रबंधन के क्षेत्र में अपने प्रबल प्रभात को बनाए रखेगा । इस रेटिंग की भारत सरकार के लिए भाविप्रा के रणनीतिक महत्व मे भी भूमिका है, यह इस तथ्य से रेखांकित होता है कि भाविप्रा का गठन 1995 मे संसद के एक अधिनियम के माध्यम से एटीसी को नियंत्रित करने तथा देश के हवाई अड्डों को विकसित एवं उनका रखरखाव करने के उद्‌देश्य से एक नोडल एजेंसी के रुप में हुआ । भाविप्रा मुख्य भूमि तथा साथ लगे हुए समुद्रीय क्षेत्र के ऊपर सम्पूर्ण भारतीय हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) का भी प्रबंधन करता है । हवाई क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से एक संवेदनशील मामला है तथा भारत सरकार इसका प्रबंधन किसी सरकारी स्वामित्व वाली एजेंसी के सुपुर्द करना चाहेगी ।

दृष्टिकोण: स्थिर

क्रिसिल का मानना है कि भाविप्रा भारतीय वायुक्षेत्र में अपनी प्रमुखता बनाए रखेगा एवं इस कारण यह भारत सरकार के लिए रणनीतिक महत्व रखेगा। इसके अतिरिक्त, यद्यपि दो मेट्रो हवाई अड्डों का निजीकरण हो गया है व दो निजी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे प्रचालनात्मक है , भाविप्रा से आशा की जाती है कि वे अपनी ताकतवर बाजार स्थिति तथा व्यवसाय जोखिम प्रोफाइल को बनाए रखेगा । अच्छी आर्थिक वृद्धि यात्री आवागमन को बढाती है फलस्वरुप भविष्य में भाविप्रा की राजस्व वृद्धि एवं मुनाफा बढेगा । प्राधिकरण से आशा की जाती है कि मध्यम अवधि के दौरान जबरदस्त सकल निवेश एवं संभावित मजबूत रोकड प्रोदभूत के सहारे आक्रामक केपेक्स योजना के बावजूद शक्तिशाली जोखिम प्रोफाइल बनाए रखे । नागर विमानन नीति में किसी परिवर्तन से यदि भारतीय विमानपत्तन के रणनीतिक महत्व में कमी आएगी तो परिणामस्वरुप दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है ।

भाविप्रा के बारे में

भाविप्रा, संसद के एक अधिनियम के द्वारा 1995 में गठित हुआ । यह भारत की प्रादेशिक सीमाओं के भीतर तथा भूमि पर नागर विमानन अवसंरचना के प्रबंधन, निर्माण, उन्नयन, अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी है । प्राधिकरण 9 अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डों , 81 अंर्तेदेशीय हवाई अड्डों तथा रक्षा एयरफील्डों पर 25 सिविल इंक्लेवों सहित 115 हवाई अड्डों (दिल्ली, मुबंई, कोचीन, बेंगलुरु त्था हैदराबाद को छोडकर) का संचालन करता है । यह 2.8 मिलीयन वर्ग के नाटिकल माइल्स वायु क्षेत्र पर दिक्चालन सेवाएं उपलब्ध करवाता है ।

भाविप्रा ने 2009-10 हेतु रु.4630 करोड प्रचालन आय पर कर के पश्चात (पी ए टी) रु. 685 करोड लाभ अर्जित किया जबकि वर्ष 2008-09 में रु.4234 करोड प्रचालन आय पर कर पश्चात् लाभ रु.617 करोड था ।

मीडिया सम्पर्क	विश्लेषणात्क सम्पर्क	क्रिसिल रेटिंग डेस्क
मीतू समर हेड, मार्किट डेवलपमेंट एण्ड कम्यूनिकेशन क्रिसिल लिमिटेड टेलीफोन + 91-22-3342 1838 ई मेलः msamar @ crisil.com **तनुजा अभिनन्दन** मार्केट डेवलपमेंट एंड कम्यनिकेशन क्रिसिल लिमिटेड दूरभाष : 91-22-3421818 ई-मेल tabhinandan @ crisil.com	**पवन अग्रवाल** डायरेक्टर- क्रिसिल रेटिंग्स टेलीफोन + 91-22-3342 3301 ई मेलः pagrawal @crisil.com **सुदीप सुराल** हेड - क्रिसिल रेटिंग दूरभाष 91+11-42505100 ई मेल ssural@crisil.com	टेलीफोन + 91-22-3342 3047 3342 3064 ईमेलः CRISILratingdesk@crisil.com

नोट :

यह रेटिंग मूलाधार (रैशनल) आपको आपके समाचार पत्र/मैगजीन/एजेंसी के माध्यम से केवल प्रसारित करने के प्रयोजन से भेजी है। इस रेटिंग मूलाधार (रैशनल) का तात्पर्य अथवा विषय बदले बिना पूर्ण रुप अथवा आंशिक रुप से आपके द्वारा प्रयोग किया जाए जिसका श्रेय क्रिसिल को दिया जाएगा। हालांकि क्रिसिल को किसी माध्यम , वेबसाइट, पोर्टल इत्यादि के माध्यम से इसके वितरण के मूलाधार (रैशनल) का पूर्ण अधिकार होगा ।

क्रिसिल जटिलता स्तर विभिन्न प्रकार के वित्तीय दस्तावेजों के लिए निर्धारित किए जाते है। क्रिसिल जटिलता स्तर www.crisil.com@complexity-levels पर उपलब्ध है। निवेशको को सलाह दी जाती है कि उनके द्वारा निवेश किए जाने वाले दस्तावेजों हेतु क्रिसिल जटिलता स्तर को संदर्भित करें। किसी विनिर्दिष्ट दस्तावेजों की पूछताछ के लिए क्रिसिल हेल्पलाइन +91 22 3342 3047/ +91 22 3342 3064 पर संपर्क कर सकते हैं।